HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN
BENCH AT JAIPUR

S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 16870/2026
CNR: RJHC021031092026 | URN: CRLMB / 31129U / 2026

Dharmendra Singh S/o Omprakash, Aged About 30 Years, R/o Chapar Mohalla Kumher, P.s. Kumher, District Deeg (Raj.). (Accused At Present Confined In District Jail Deeg).

----Petitioner

Versus

1. State Of Rajasthan, Through Pp
2. Prahlad Singh, P.o. Epf, P.s. Kumher, District Deeg.

----Respondents

For Petitioner(s) : Mr. Mritunjya Sharma, Adv.
For Respondent(s) : Mr. Manvendra Singh Shekhawat, PP

HON'BLE MR. JUSTICE UMA SHANKER VYAS

Judgment / Order

26/11/2026

प्रार्थी/अभियुक्त की ओर से अपनी नियमित जमानत हेतु यह जमानत प्रार्थना पत्र धारा 483 बी एन एस एस के अन्तर्गत पुलिस थाना **आबकारी कुम्हेर, जिला डीग** में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या–39/**2025–26** अपराध अन्तर्गत धारा **16/54 राजस्थान आबकारी अधिनियम** में पेश किया गया है।

प्रार्थी/अभियुक्त के विद्वान अधिवक्ता का कथन है कि प्रार्थी/अभियुक्त निर्दोष है, प्रार्थी/अभियुक्त से अब कोई अनुसंधान व बरामदगी शेष नहीं है, प्रार्थी/अभियुक्त दिनांक 13.10.2026 से अभिरक्षा में है, प्रकरण में बाद अनुसंधान आरोप पत्र पेश हो चुका है, प्रकरण के निस्तारण में समय लगेगा, अतः प्रार्थी/अभियुक्त का जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार किए जाने एवं उसे जमानत पर रिहा किए जाने का निवेदन किया गया।

विद्वान लोक अभियोजक ने प्रार्थना पत्र का विरोध किया तथा जमानत प्रार्थना पत्र खारिज किए जाने का निवेदन किया गया।

Digitally signed by
MURARI LAL
SHARMA
Date: 2026.11.26
16:38:03 IST

दोनों पक्षों के तर्को के संदर्भ में अभिलेख पर उपलब्ध सामग्री का अवलोकन किया।

यद्यपि अभियुक्त के विरूद्ध समान प्रकृति के दो आपराधिक प्रकरण पहले से दर्ज है, लेकिन हस्तगत मामले में प्रार्थी/अभियुक्त के विरूद्ध 52 लीटर हथकड शराब कब्जे में रखने का आरोप है।

प्रकरण में उपलब्ध समस्त तथ्यात्मक स्थिति तथा प्रस्तुत किये गये तर्कों, अभिरक्षा की अवधि एवं प्रकरण के निस्तारण में समय लगने की संभावना को ध्यान में रखते हुए प्रकरण के इस प्रक्रम पर गुणावगुण पर कोई राय व्यक्त किए बिना प्रार्थी/अभियुक्त का जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।

परिणामतः प्रार्थी/अभियुक्त **धर्मेन्द्र सिंह पुत्र ओमप्रकाश** की ओर से प्रस्तुत यह जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है और आदेश दिया जाता है कि यदि प्रार्थी इस मामले में विद्वान विचारण न्यायालय के संतोषप्रद, उनके न्यायालय में नियत तिथियों पर एवं जब भी उसे तलब किया जावे, उपस्थिति हेतु **एक लाख रूपये** का व्यक्तिगत बंधपत्र व **पचास–पचास हजार** रूपये की दो सुदृढ एवं विश्वसनीय प्रतिभूतियां प्रस्तुत करे तथा उसकी किसी अन्य प्रकरण में आवश्यकता न हो तो उसे अविलम्ब जमानत पर रिहा कर दिया जावें।

(UMA SHANKER VYAS),J

Crt_7/D-A/45/Murari Lal Sharma